सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 97 | जौनपुर, बुधवार, 27 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राज्यसभा की छह सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की 6 रिक्त सीटों के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी। उच्च सदन के लिए चुनाव 20 दिसंबर को होंगे और नतीजे भी उसी दिन घोषित किये जायेंगे। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा राज्यसभा के लिए छह सदस्यों का चुनाव करेंगे। राज्यसभा में रिक्तियों में वेंकटरमन राव द्वारा खाली की गई सीट शामिल है जिन्होंने इस साल अगस्त में इस्तीफा दे दिया था, बीधा मस्तान राव ने भी अगस्त में इस्तीफा दे दिया था और रायगा कृष्णैया ने सितंबर में इस्तीफा दे दिया था। आंध्र प्रदेश से वेंकटरमण राव का कार्यकाल जून 2024 में समाप्त होगा, जबकि आंध्र प्रदेश से मस्तान राय और कृष्णैया का कार्यकाल जून 2028 में समाप्त होगा। सितंबर में इस्तीफा देने वाले सुजीत कुमार का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त होगा।

महिला आंदोलनकारियों की हिरासत में प्रताड़ना, सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच के दिए निर्देश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाली दो महिलाओं को हिरासत में यातना देने के आरोपों की जांच के लिए सोमवार को पश्चिम बंगाल पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) नियुक्त की। शीर्ष अदालत का आदेश इस मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के 6 नवंबर के फैसले को रद्द कर देता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि हमें युवा आईपीएस अधिकारियों पर बहुत भरोसा है। जब उसने उप महानिरीक्षक (डीआईजी) आकाश मघरिया, हावड़ा के पुलिस अधीक्षक के साथ राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी का पुनर्गठन किया।

यूएपीए मामले में गुलफिशा, खालिद सैफी ने उच्च न्यायालय से मांगी जमानत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। छात्र कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा, 'यूनाइटेड अगेंस्ट हेट' के संस्थापक खालिद सैफी और अन्य ने सोमवार को फरवरी 2020 की हिंसा से जुड़े यूए मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष जमानत मांगी। जस्टिस नवीन चावला और शलिंदर कौर की पीठ 6 दिसंबर को पूर्व जेएनयू छात्र उमर खालिद की इसी तरह की याचिका के साथ मामले की सुनवाई करेगी। मामले में चार साल से अधिक की लंबी कैद के कारण जमानत मांगी, इस बात पर जोर दिया। शरजील इमाम की जमानत याचिका सहित कुछ मामलों को 12 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। खालिद, इमाम और कई अन्य लोगों पर कथित तौर पर एक बड़ी साजिश का हिस्सा होने और फरवरी 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के लिए आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम और आईपीसी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखाया : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को संविधान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस के अवसर पर राजधानी के लखनऊ में लोकभवन में आयोजित समारोह में संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निर्माताओं को नमन किया। मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने सबसे पहले संविधान के रूप में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की आधारशिला रखी। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दिन हमें अपने लोकतंत्र और संविधान की महानता का स्मरण कराता है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में बनी संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी ने न्याय, समता और बंधुता जैसे मूल्यों को संविधान में शामिल कर देश को एक सशक्त भविष्य दिया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद 1946 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मांग पर संविधान सभा का गठन हुआ था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष चुना गया। 13 समितियों के माध्यम से संविधान निर्माण का कार्य किया गया, जिसमें ड्राफ्टिंग कमेटी का नेतृत्व बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद को किया संबोधित, 'संविधान' की पहली संस्कृत प्रति जारी की

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को संविधान सदन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया, जो भारत के संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोह की शुरुआत थी। 'संविधान दिवर्स' कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति देखी गई, जो भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में इस अवसर के महत्व को प्रदर्शित करता है। भारत 1949 में संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस या संविधान दिवस मनाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के संस्कृत और मैथिली में अनुवादित संस्करण भी जारी किए, और राष्ट्रपति के नेतृत्व में प्रस्तावना का एक औपचारिक वाचन होगा। संविधान सदन में अपने संबोधन के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के उत्थान के उद्देश्य से सरकार की पहल पर जोर दिया। उन्होंने गरीबों के लिए आवास उपलब्ध कराने और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया, जो समावेशी विकास और राष्ट्रीय प्रगति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हमें नहीं चाहिए ईवीएम, बैलेट पेपर पर होने चाहिए चुनाव : मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को चुनावों में मतपत्रों की वापसी को चिह्नित करने के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' जैसे अभियान का आह्वान किया। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पार्टी के संविधान दिवस कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हमें ईवीएम नहीं चाहिए, हमें मतपत्र चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 में

से 230 सीटों पर जीत हासिल की, जिसके बाद कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने चुनाव के संचालन में गड़बड़ी का आरोप लगाया। कांग्रेस के महाराष्ट्र पर्यवेक्षक और कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने राज्य में ईवीएम हैकिंग का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर वार करते हुए खड़गे ने कहा कि आप (सत्ता में) आए और लूट रहे हैं और इसे अडानी, अंबानी और उनके जैसे अन्य लोगों को दे रहे हैं। इन लोगों ने कभी देश के लिए नहीं सोचा। मोदी और ये एक–दूसरे के लिए सोचते हैं।श मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि महाराष्ट्र के चुनाव में अडानी की बड़ी भूमिका थी। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने उन्हें बहुत सारी संपत्तियां दीं और वह इसे संभाल नहीं पा रहे हैं।श वह इसे बीजेपी की तरफ से चुनाव में बांट रहे हैं। उनके पास कोई संवैधानिक मूल्य नहीं है। उनमें संस्थागत अखंडता का अभाव है।

संसद का शीतकालीन सत्र में किन बड़े मुद्दों पर तुरंत चर्चा होनी चाहिए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है। दोनों सदनों का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। विपक्ष के जिस तरह के तेवर दिखाई दे रहे हैं उससे ऐसा लगता है कि संसद का यह शीत सत्र राजनीतिक रूप से गर्म बना रहेगा। देखा जाये तो सरकार ने इस सत्र के लिए जो विधायी कामकाज तय किया है वह तो किसी ना किसी तरह पूरा हो जायेगा लेकिन चिंता इस बात की है कि जनता के असल मुद्दों का क्या होगा? देश के सामने ऐसी कई ज्वलंत समस्याएं हैं जिन पर संसद में चर्चा होना बहुत जरूरी है। देश के समक्ष कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर संसद में चर्चा कर उनका निराकरण करना बहुत जरूरी है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या विपक्ष संसद को चलने देगा ताकि जनता के मुद्दों का हल निकल सके। सवाल उठता है कि क्या विपक्ष संसद को चलने देगा ताकि सांसद जो विषय संसद में उठाने के लिए अपनी तैयारी करके आये हैं उनको मौका मिल सके? देखा जाये तो यह अब चलन–सा हो गया है कि एक तो संसद के सत्र छोटे होते जा रहे हैं दूसरा बैठकों को बाधित किया जाता है और हो–हल्ले के बीच ही बजट तथा अन्य महत्वपूर्ण विधेयक पास हो जाते हैं जिससे जनता को पता ही नहीं चलता कि उनके लिए सरकार ने कौन–सा और किन प्रावधानों वाला कानून बना दिया है। विपक्ष जिस तरह संसद की बैठकों

को बाधित करता है उससे संसदीय लोकतंत्र पर भी सवाल उठ रहे हैं। हर बार की तरह इस बार भी संसदीय अवरोध कायम रहता है तो इससे लोकतंत्र कमजोर ही होगा। भारत पूरी दुनिया में संसदीय प्रणाली का सबसे बड़ा लोकतंत्र है मगर संसद में कई बार मर्यादा की लक्ष्मण रेखा को लांघता हुआ हंगामा देखने को मिलता है। संसद का यह शीतकालीन सत्र व्यर्थ ना जाये, इसके लिए दोनों पक्षों को मिलकर चर्चा करनी चाहिए। बहरहाल, देश के समक्ष कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर संसद में चर्चा कर उनका निराकरण करना बहुत जरूरी है। क्या हैं वह प्रासंगिक मुद्दे और भारत कैसे उनके चलते हो रहा है ।

संविधान दिवस के मौके पर राष्ट्रपति करेंगी संसद के दोनों सदनों के संयुक्त को संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत के संविधान को लागू हुए और अपनाए हुए 26 नवंबर 2024 को पुरे 75 वर्ष हो चुके है। देश में आज संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इसी बीच देश में ष्हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान भी चलाया गया है। इस अभियान के तहत ऐतिहासिक वर्ष भर का उत्सव शुरू हुआ। गौरतलब है कि भारत में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि 1949 में इसी दिन भारत की संविधान सभा ने संविधान को अपनाया था, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ और भारतीय इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हुई। पीआईबी की विज्ञप्ति के अनुसार, सरकार के अभियान "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" का उद्देश्य संविधान निर्माताओं के योगदान का सम्मान करना है और साथ ही "इसमें निहित मूल मूल्यों को दोहराना" है। इस अवसर पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी, जो भारत के संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को सेंट्रल हॉल में संबोधित करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी संविधान दिवस समारोह में शामिल होंगे, जो भारत के संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने का प्रतीक है। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को नई दिल्ली में पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में हुई थी। जैसा कि लोकसभा की वेबसाइट पर बताया गया है, उस दिन इस अवसर के लिए चौंबर को भव्य तरीके से सजाया गया था और 'ऊंची छतों से लटकते हुए चमकीले लैंपों के समूह' और दीवारों पर लगे ब्रैकेट से भी इसे नया रूप दिया गया था।

ममता बनर्जी को बनाएं इंडिया गठबंधन की नेता – टीएमसी

कोलकाता, (एजेंसी)। हरियाणा और महाराष्ट्र में अप्रत्याशित हार के बाद कांग्रेस आलोचनाओं में घिर गई है। कांग्रेस की लगातार हार के बाद, टीएमसी ने भी अपने इंडिया गठबंधन के सहयोगी पर सवाल खड़े कर दिए है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कांग्रेस से अपने अहंकार को दूर करने और ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक के नेता के रूप में मान्यता देने के लिए कहा है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस न तो हरियाणा में और न ही महाराष्ट्र में वांछित परिणाम हासिल करने में सफल रही है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि हमें कांग्रेस से जबरदस्त उम्मीद थी कि वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अगर उन्होंने बेहतर किया होता तो बीजेपी और नरेंद्र मोदी दबाव में होते। इंडिया गठबंधन तो है लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका। और परिणाम हासिल करने में कांग्रेस की ओर से बड़ी विफलता है। उन्होंने कहा कि आज जरूरी है कि बीजेपी से लड़ना है तो इंडिया गठबंधन मजबूत हो। और इसे मजबूत बनाने के लिए एक लीडर की जरूरत होती है। अब नेता कौन हो सकता है? यही मूल प्रश्न है। कांग्रेस ने यह किया है। सारे प्रयोग हो चुके हैं, लेकिन असफल रहे हैं।

महाराष्ट्र चुनावों का जिक्र करते हुए जहां राकांपा और कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया, बनर्जी ने कहा कि शरद पारद भी वह नहीं कर सके जो उनसे अपेक्षित था। शरद पवार की राकांपा सिर्फ 10 सीटें जीत सकी जबकि कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़कर 16 सीटें हासिल कीं। उन्होंने कहा कि अन्य नेताओं ने भी कोशिश की और असफल रहे। बाकी तीन लोग हैं– स्टालिन, हेमंत सोरेन और ममता दीदी। इन तीनों में से, ममता जी को संसदीय राजनीति में व्यापक अनुभव है, वह 7 बार सांसद, कैबिनेट मंत्री, 3 बार मुख्यमंत्री हैं। उनका सबसे अच्छा रिकॉर्ड पश्चिम बंगाल से सीपीएम को खत्म करना है। उनका स्वभाव लड़ाकू है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, पांच साल बढ़ाया उग्रवादी संगठन उल्फा पर बैन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) पर पांच साल के लिए नया प्रतिबंध जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह समूह 2019–24 के दौरान विस्फोटक लगाने के 16 मामलों में शामिल रहा है और पूरे असम में स्वतंत्रता दिवस, 2024 से पहले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल किया है। केंद्र ने अब तक केंद्र, राज्य और असम, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड सहित पूर्वोत्तर में विद्रोही समूहों के

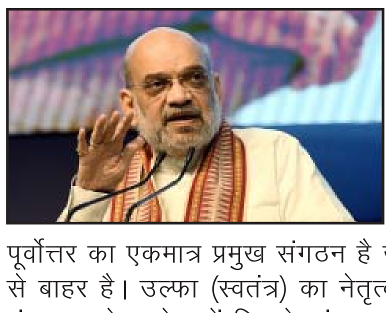

बीच 12 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के वार्ता विरोधी गुट, जिसे उल्फा के नाम से भी जाना जाता है (स्वतंत्र) शांति प्रक्रिया के लिए मायावी बना हुआ है। यह संगठन पूर्वोत्तर का एकमात्र प्रमुख संगठन है जो सरकार के साथ शांति वार्ता से बाहर है। उल्फा (स्वतंत्र) का नेतृत्व परेश बरुआ कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में पिछले पांच वर्षों में 50 की गिरफ्तारी और 63 कैडरों के आत्मसमर्पण, पुलिस और सुरक्षा बल की कार्रवाई में तीन कट्टर कैडरों की हत्या का हवाला दिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, ये समूह 27 अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं जिनकी जांच प्रवर्तन एजेंसियां कर रही हैं। आदेश में कहा गया है।

संभल जाने से रोका गया, लेकिन मैं जाउंगा...अखिलेश यादव ने फिर साधा भाजपा सरकार पर निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संभल की घटना को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासत तेज है। इसी को लेकर समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने संविधान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम ऐसे समय में जश्न मना रहे हैं जब संभल में सरकार ने जिस तरह का काम किया है, उसने कई लोगों की जान ले ली है।श उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि दुःख के साये में जश्न कैसे मनाया जा सकता है? वहां के सांसद, वहां के विधायक और उनके बेटे पर झूठे मुकदमे दर्ज किये जा रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि अगर कोई गलती है तो वह सरकार की है। जब सर्वे हो ही चुका था तो दोबारा क्यों करें? और अगर सर्वे दोबारा भी कराना था तो मिल बैठ कर चर्चा कर सकते थे। शेष बिन्दुओं पर चर्चा के बाद पुनः सर्वेक्षण कराया जा सकता था। उन्होंने कहा कि हम सर्वे के खिलाफ नहीं थे लेकिन जो लोग सर्वे के दौरान टीम के पीछे नारे लगा रहे थे, क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई? क्या सर्वे टीम के साथ कोई बीजेपी कार्यकर्ता भी थे जो लोगों को भड़का रहे थे? क्या उन्हें गिरफ्तार किया गया? क्या उन्हें जेल भेजा जाएगा? अखिलेश ने कहा कि वहां कोई नहीं जा सकता। दोनों सदनों के नेता सम्भल आना चाहते हैं लेकिन उन्हें जाने की अनुमति नहीं है। हमारे सभी सांसद संभल जाना चाहते हैं लेकिन हमें इजाजत नहीं है। संभल की विवादित जामा मस्जिद परिसर में रविवार को सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के तीसरे दिन मंगलवार को हालात में सुधार देखने को मिला और स्कूल भी खुले। संभल में रविवार जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हालत खराब हो गई, जिसमें पत्थर बाजी और आगजनी की घटना में चार लोगों की मौत हो गयी और करीब 20 लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस संबंध में सोमवार को 25 लोगों को गिरफ्तार किया। सोमवार को संभल में बाजार बंद था लेकिन कई इलाकों में दुकानें खुली देखी

गईं। आज सुबह भी स्थिति सामान्य नजर आ रही है। आज स्कूल भी खुले हैं और सुबह सुबह रोजमर्रा की जरूरतों की दुकान खुली नजर आ रही है, लेकिन जिले में इंटरनेट सेवा आज भी बंद है जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी महसूस हो रही है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ड्रोन, सीसीटीवी और मोबाइल के वीडियो खंगाल रही है तथा उपद्रव करने वालों को चिह्नित कर रही है, ताकि उन्हें पकड़ा जा सके। अब तक इस मामले में सात प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है जिसमें संभल के सांसद जिया उर रहमान वर्क और संभल विधायक के पुत्र सुहैल इकबाल सहित 2750 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

संपादकीय

बचपन पर तपिश

अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर–जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर जलवायु संकट का खतरा अलग से मंडराने लगा है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यह एक हकीकत है कि वर्ष 2021 तक भारत बच्चों पर जलवायु जोखिम सूचकांक में 163वें स्थान पर रह रहा है। लेकिन इस सदी के मध्य तक स्थिति खासी चुनौतीपूर्ण होने की आशंका है। यूनिसेफ का आकलन है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते वर्ष 2050 तक बच्चों को वर्ष 2000 की तुलना में आठ गुना अधिक तपिश झेलनी पड़ सकती है। दरअसल, हाल ही में यूनिसेफ ने 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' शीर्षक अपनी सालाना रिपोर्ट में भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों का मंथन किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। दरअसल, यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे वर्तमान में उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। निस्संदेह, यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति–नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। खासकर लगातार गहरे होते जलवायु संकट के बीच बच्चों की सेहत, शिक्षा और पेयजल जैसे जीवन के जरूरी संसाधनों की सहज उपलब्धता की दृष्टि से। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी शहरों में रह रही होगी। जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसमें बच्चों की शिक्षा, उनकी सेहत और कौशल विकास की जरूरतों के अनुरूप शहरी तंत्र को विकसित करें। निश्चित रूप से इसके लिये बड़े निवेश की भी जरूरत होगी। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम मेधा का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम मेधा जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों–नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद–ब–खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक–आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है। भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था। इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप–प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्हा राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू–कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया। 29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है। भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है। चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय

आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था। दोनों का मानना था कि सदियों से बजबजा रहे गांव भारतीय लोकतंत्र को राह नहीं दिखा सकते। संविधान सभा में कई मुद्दों पर सदस्यों के बीच तीखी बहसें हुईं। आज जिसे हम लोकशाही या नौकरशाही कहते हैं, उसके अधिकारों को लेकर भी तीखी बहस हुई। दिलचस्प यह है कि संविधान सभा के कई सदस्यों को ब्यूरोक्रेसी को संवैधानिक अधिकार संपन्न बनाने पर एतराज था। उनका मानना था कि वे वैसा ही काम करेंगी, जैसा अंग्रेजी सरकार के दौरान करती थीं। एम ए अयंगार जैसे वरिष्ठ और माननीय सवाल ने नौकरशाही को वेतन और अधिकार की गारंटी देने पर सवाल उठाते हुए पूछा था था कि जब आम आदमी को रोटी और कपड़ा की गारंटी नहीं है, तो उन अधिकारियों को गारंटी क्यों दी जाए, जो विदेशी सत्ता की कठपुतली थी। तब पटेल ने अधिकारियों को ताकत देने का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि एक बार अफसरशाही स्थापित हो जाएगी तो अधिकारी बदलाव के लिए राजी हो जाएंगे।

स्वराज से सुराज तक संविधान की अमृत यात्रा

ओमप्रकाश धनखड़

भारत का संविधान अपने शानदार 75 वर्ष पूरे कर रहा है, भारत सरकार व देश ने 26 नवंबर से 26 जनवरी तक संविधान की हीरक जयंती मनाने का निर्णय किया है, 26 नवंबर को देश भर में संविधान दिवस के कार्यक्रम सम्पन्न हो रहे हैं। देश का जन संविधान व संविधान की विशेषताएं, संविधान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेगा व अधिक जागरूकता के साथ जहां अपने अधिकारों व कर्तव्यों को समझेगा। वहीं, संविधान की ताकत व संवेदनशील मुद्दों को भी आत्मसात् करेगा। 75 वर्ष की इस शानदार यात्रा में भारत एक सुदृढ़ लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। दुनिया के बहुत सारे देश भारत को अपने आदर्श के रूप में देखते हैं। आम भारतीय भी दुनिया के इस नजरिये से अपने को गौरवान्वित महसूस करता है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 देशों का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान मिलना, भारत के सम्मान का द्योतक है। संविधान की 75 वर्ष की यात्रा में संविधान ने अनेक प्रश्नों को झेला है। पुराने कधनूनों का बोझ, बदलते युगानुरूप नये कधनून, आपातकाल और उसमें नागरिक अधिकारों की अनुपस्थिति–लोकतंत्र का काला अध्याय, बार–बार तोड़ी गई विपक्षी सरकारें, अल्पमत सरकारों के संकट से संविधान सफलतापूर्वक गुजरा है, सदैव अपने नये कलेवर में संसाधनों के साथ, अधिक तेजस्विता के साथ उपस्थित हुआ है। पिछले लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चर्चा में भारतीय संविधान ही था। विपक्ष द्वारा उठाई, संविधान की पुस्तक सर्वाधिक मीडिया की सुर्खियां बनी। एक छद्म विमर्श उपस्थित किया गया संविधान बदलने का। जन मानस पर उसका असर भी दिखाई दिया। लेकिन आज सहज जागरूक नागरिक के रूप में हम भारत के लोग उस विमर्श से सत्य पर आ गये, क्योंकि सत्य हर विमर्श को ढाह देता है। सामयिक संशोधनों के साथ–साथ, भारत का संविधान अपने मौलिक स्वरूप में सदैव अवस्थित रहा है। आजादी का सूरज उदय होने के समय, हमारे संविधान निर्माण के लिए भारतीय संविधान सभा के सदस्य जुलाई, 1946 में चुने गए थे। संविधान सभा की पहली बैठक दिसम्बर, 1946 में हुई थी। इसके बाद देश दो भागों भारत और पाकिस्तान में बंट गया था। संविधान सभा भी दो हिस्सों में बंट गई दृ भारत की संविधान सभा और पाकिस्तान की संविधान सभा। भारतीय संविधान लिखने वाली सभा में 299 सदस्य थे जिसके अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। संविधान सभा ने 26 नवम्बर, 1949 में अपना काम पूरा कर लिया। इसी संविधान प्रारूप लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी ने संविधान की पहली प्रति संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को समर्पित की। 26 जनवरी, 1950 को हमारा यह संविधान लागू हुआ। इसी दिन की याद में भारत में हर वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। जो एक महान पर्व बन गया है। भारतीय संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन का समय लगा था। भारत के संविधान का मूल आधार ब्रिटिश भारत सरकार अधिनियम 1935 को माना जाता है। इस में लगभग 250 अनुच्छेद इस अधिनियम से लिये गए हैं। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। दुनिया में शासन बनते ही शासन चलाने के नियम बनाने पड़े, यही नियम आज दुनिया के देशों में संविधान के रूप में है। सदैव एक ही प्रकार के नियमों से संचालन संभव नहीं है, स्थिति के बदलाव के साथ ही नियमों में बदलाव आवश्यक है। हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान संशोधन का प्रावधान तय किया। संविधान निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित थे, इसमें केवल 8 अनुसूचियां थीं। भारतीय संविधान में वर्तमान समय

में भी 448 अनुच्छेद, तथा 12 अनुसूचियां हैं और ये 25 भागों में विभाजित हैं। हमारे संविधान ने अपने मूल रूप में स्थापित रहते हुए, आवश्यक बदलावों को सहज अंगीकार किया है। इन 75 वर्षों में स्वराज से सुराज की यात्रा भारत के संविधान ने की है। नागरिक अधिकारों की सुरक्षा की है। सहजता से शासन के बदलाव की परम्परा को कधयम किया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अखंड रखा है। भारत के लोगों का संविधान पर विश्वास प्रगाढ़ हुआ है। हम भारत के लोग अपने संविधान के माध्यम से भारत के सम्पूर्ण प्रभुता सम्पन्न राष्ट्र, मजबूत लोकतंत्र, सर्वधर्म सम्भाव, अंतिम व्यक्ति की प्रगति के विशेष अवसरों के साथ–साथ विषमता आर्थिक व सामाजिक विषमता समाप्त करने और राष्ट्र के रूप मे एक विकसित राष्ट्र बनाने में कामयाब हो रहे हैं। भारत के संविधान की देखरेख भारत की अमृत पथ यात्रा की ओर अग्रसर है। संविधान के हर पहलू पर विशेष अध्ययन के रूप में इस हीरक जयंती को हम मनायें।

पुश्तैनी दुकान और कामयाबी के अरमान

आलोक पुराणिक

स्मार्ट स्कूल आफ बिजनेस ने निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया, विषय था फैमिली बिजनेस–पिताजी की दुकान। प्रथम पुरस्कार विजेता निबंध इस प्रकार है। दुकानें कई प्रकार की होती हैं, अपनी दुकान, ससुर की दुकान, और बाप की दुकान। कारोबारी भी कई तरह के होते हैं, बाप के बूते चलने वाली दुकान, अपने बूते चलने वाली दुकान, और बाप के बाद डूबने वाली दुकान। पॉलिटिक्स से लेकर कारोबार तक तरह तरह के कारोबारी मिलते हैं, कम कारोबारी ऐसे हैं, जिन्होंने पिताजी की दुकान को आगे बढ़ाया है। ज्यादातर ने पिताजी की दुकान को छोटा ही किया है। पॉलिटिक्स से लेकर कारोबार तक कई कारोबारियों ने ऐसा दिखाया है। महाराष्ट्र में एक वक्त था, जब बाल ठाकरे का जलवा होता था, वह सरकार बनाते थे, सरकार गिराते थे। बाद के उनके बेटे उद्धव ठाकरे ने कुछ ऐसा किया कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में हाशिये पर आ गयी। महाराष्ट्र के पॉलिटिकल बाजार में शिवसेना का शोरूम बहुत जोरदार हुआ करता था, अब शोरूम सिकुड़कर छोटी–सी रेहड़ी की शक्ल ले चुका है। पिताजी मेहनत करते हैं, क्योंकि उन्हें दुकान जमानी है। बेटे को जमी–जमायी दुकान मिलती है, मेहनत उसकी प्रवृत्ति में नहीं होती। ग्राहक भोत शाणा होता है, पब्लिक भी एक तरह से राजनीतिक बाजार में ग्राहक होती है। वह भी तरह तरह के डील चाहती है। तमाम कामयाब कंपनियां कैश बैक आफर, एक के साथ एक फ्री जैसे डील चाहती है जनता। महाराष्ट्र में लाड़ली बहन योजना के तहत नकद रकम महिलाओं के खाते में हस्तांतरित की गयी। इस लाड़ली योजना को बहुत लाइ दिया महाराष्ट्र की महिलाओं ने। कुछ नकद खाते में इधर आता है, वोट उधर चला जाता है। एक तरह से इसे एक्सचेंज ऑफर कह सकते हैं। एक्सचेंज आफर कारोबार में भी चलता है, एक्सचेंज ऑफर अब पॉलिटिक्स में भी धुआंधार चलने लगा है। इस हाथ ले, उस हाथ ले टाइप ऑफर पॉलिटिक्स में बहुत धुआंधार चलने लगे हैं। होशियार चतुर कारोबारी नये नये एक्सचेंज आफर लाते रहते हैं। नयी–नयी स्कीम लाते रहते हैं। जो पिताजी की दुकान नहीं चलाते, उन्हें नयी–नयी स्कीम खोजनी पड़ती है। जिनकी दुकानें पिता की होती हैं, उन्हें ऐसा लगता है कि उनका ग्राहक तो उन्हीं के पास आयेगा। जबकि अपनी खुद की दुकान चलाने वाला जानता है कि उसे तो नयी स्कीम चलानी पड़ेगी, ।

संविधान में योगदान देने की संघर्ष गाथा

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

इसे सुखद संयोग ही कहा जाएगा कि भारत की संविधान सभा के सदस्य के रूप में चुने गए चौधरी रणबीर सिंह का जन्म 26 नवंबर, 1914 को रोहतक जिले के सांघी गांव के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। संयोगवश उनके जन्मदिन को पूरे भारत में संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारा संविधान 26 नवंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा अपनाया गया और 26 जनवरी, 1950 को यह लागू हुआ था। उस समय 33 वर्ष की आयु वाले चौधरी रणबीर सिंह संविधान सभा के सबसे कम उम्र के सदस्यों में से एक थे। भारत के संविधान की मूल प्रति पर जिन 283 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं, उनमें से एक हस्ताक्षर चौधरी रणबीर सिंह के भी हैं। वे असाधारण व्यक्तित्व वाले भाग्यशाली व्यक्ति थे। इसे ग्रामीण परिवेश में पले–बढ़े एक बालक की अद्वितीय और प्रेरणादायक उपलब्धि ही कहा जाएगा, जो बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बड़ा हुआ। उन्होंने अपने कठोर परिश्रम और दृढ़ संकल्प के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीतिक क्षितिज पर अलग जगह बनाई। उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ. बीआर अंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, गोपीनाथ बोरदोलोई, कृष्णस्वामी अय्यर, केएम मुंशी जैसे महान दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। चौधरी रणबीर सिंह का जीवन स्वतंत्रता संग्राम और हमारे राष्ट्र निर्माण के इतिहास के एक अविस्मरणीय अध्याय है। राष्ट्र के लिए उनके योगदान को प्रचलित सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ और उनके समय को आकार देने वाली असाधारण राजनीतिक उथल–पुथल में समझने की जरूरत है। यद्यपि इस लेख के दायरे और स्थान की बाधाओं के कारण उनके बहुआयामी जीवन के सभी पहलुओं को समेटना असंभव है, फिर भी मैंने कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। अपने देशभक्त पिता चौ. मातू राम के आशीर्वाद और प्रेरणा से दिल्ली के प्रतिष्ठित रामजस कॉलेज से स्नातक करने के बाद वे महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। उन्होंने 1941 में व्यक्तिगत सत्याग्रही के तौर पर अपनी पहली गिरफ्तारी दी, उसके बाद उन्हें आठ बार अलग–अलग मौकों पर कैद किया गया। उन्होंने रोहतक, अम्बाला, फिरोजपुर, मुल्तान, सियालकोट और लाहौर की आठ अलग–अलग जेलों में अपनी युवावस्था के लगभग साढ़े तीन साल कैद में बिताए। ब्रिटिश जेलों की यातनाओं और अत्याचारों ने उन्हें हीरे की तरह तराशकर चमकदार बना दिया। जीवन के प्रति उनकी सोच और विचार, प्रतिबद्धता स्वतंत्रता आंदोलनों के मूल्यों और आदर्शों से काफी प्रभावित थी, जिसे उन्होंने जीवन भर बनाये रखा। देश को आजादी मिलने के बाद उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। चौ. रणबीर सिंह को अपने तीन दशक से अधिक के राजनीतिक जीवन में सात विभिन्न प्रतिनिधि सदनों के लिए चुने जाने का अनोखा गौरव भी हासिल है। उन्होंने संविधान सभा (विधायी), अंतरिम संसद, द्वितीय लोकसभा, पंजाब विधानसभा, हरियाणा विधानसभा और राज्यसभा के सदस्य के तौर पर काम किया। वे पंजाब और हरियाणा सरकारों में मंत्री थे। वर्ष 1963 में जब प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भाखड़ा बांध राष्ट्र को समर्पित किया था, तब वे पंजाब में सिंचाई और बिजली मंत्री थे। अपने पूरे विधायी जीवन में, वे समस्याओं के प्रति अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए जाने जाते थे, जो गांधीवादी दृष्टिकोण और गंभीरता के भाव से ओतप्रोत होता था। वे ग्रामीण भारत और गरीब किसानों की सशक्त और दुर्लभ आवाज थे। उन्होंने शब्दों के मायाजाल के बिना हमेशा अपनी राय सीधे, बेबाक और स्पष्ट तरीके से व्यक्त की। उन्होंने संविधान सभा में किसानों की आमदनी पर आयकर लगाने के खिलाफ तथा कृषि उपज के लिए न्यूनतम आर्थिक मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने की जोरदार वकालत की, ताकि किसानों के जीवन में स्थायित्व आ सके। उन्होंने कानून के जरिये कृषि बीमा की भी मांग उठाई। वे अपने पूरे राजनीतिक जीवन में ग्रामीण क्षेत्रों तथा किसानों के मुद्दों को जोश और पूरी ताकत के साथ उठाते रहे। प्रशासनिक कुशलता के लिए संयुक्त प्रांत के विभाजन पर बहस में हिस्सा लेते समय चौ. रणबीर सिंह 'भविष्य के सपने देखने वाले विश्वव्यापी भविष्यवक्ता' साबित हुए। उन्होंने 1949 में संविधान सभा में कहा था कि 'भविष्य में पंजाब को भी दो भागों (पंजाब और हरियाणा) में विभाजित किया जा सकता है और मुझे आशा है कि जब ऐसा होगा तो इसके हिंदी भाषी क्षेत्रों को संयुक्त प्रांत के विभाजित हिस्से में मिलाकर एक इकाई बना दी जाएगी।' उनकी यह भविष्यवाणी 1966 में तब साकार हुई जब भाषाई आधार पर पंजाब से अलग करके हरियाणा का निर्माण किया गया। राजनीतिज्ञ के रूप में उनका जीवन सरल, दयालु, पुण्यात्मा तथा सौम्य स्वभाव का था। श्रीमती इंदिरा गांधी ने 17 फरवरी, 1959 को अपने पिता को पंजाब की यात्रा के बारे में एक पत्र लिखा था किकृ 'पंजाब सख्त लेकिन बेहद जीवंत भी था। कल्पना कीजिए! रोहतक में मेरे लिए एक लाख लोग मौजूद थे। अन्य सभाएं काफी अच्छी थीं, हालांकि, इतनी बड़ी नहीं थीं और चौधरी रणबीर सिंह ने मेरी देखभाल इस तरह से की जैसे मैं उनकी पोती हूं।' 'उनका जीवन सौम्य था, और उनमें सिद्धांत इतने घुले–मिले थे, कि प्रकृति स्वयं उठ खड़ी होती, और पूरी दुनिया से कहती, यह एक व्यक्ति था।'

स्वामी महेश योगी ने अनवरत 47 घंटे में ग्यारह सौ ग्यारह श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर पूर्ण किया बृहद आध्यात्मिक अनुष्ठान

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या श्री हनुमानगढ़ी के लोकप्रिय संत, श्री हनुमान जी के परम उपासक डा. महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने राजधानी दिल्ली में 11 दिवस तक अनवरत कपाल भाति की साधना के संकल्प व्रत को पूर्ण करने हेतु 24 नवंबर प्रातः 7:00 बजे राजधानी में श्री हनुमान चालीसा का अनवरत 1111 पाठ करने का एक बृहद अनुष्ठान आरंभ किया जिसका समापन 26 नवंबर प्रातः 6:00 बजे लगभग 47 घंटे में 1111 हनुमान चालीसा का पाठ पूर्ण कर इस दिव्य अनुष्ठान की पूर्णाहुति किया।

अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में छः माह से श्री हनुमान जी के सानिध्य में अष्टसिद्धि साधना व रुद्र राज योग की साधना कर रहे स्वामी महेश योगी जी सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री हनुमान भक्ति आन्दोलन संचालित कर सनातन धर्म के अभ्युदय तथा योगमय भारत बनाने जैसे अनेकों महनीय उद्देश्यों की प्राप्ति के लिय साधना रत हैं। जन जन में योग शक्ति की ऊर्जा पुंज को स्थपित करने हेतू स्वामी जी ने अनेकों अभियान चलाया तथा भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम की स्थापना के लिए कार्य कर रहे हैं। अपनी कठोर दृढ़ साधना से महेश योगी ने पहले भी अनेकों आश्चर्य जनक विश्व कीर्तिमान बनाकर विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है। जिसमें अनवरत 2 करोड़ 18 लाख 26800 कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 76 घंटे तक योग मैराथन करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 51 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड, अयोध्या मां सरयू की गोद में लगातार 13100 बार डुबकियां लगाने का विश्व रिकॉर्ड, चित्रकला के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने तथा भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया के लेखन कार्य जैसे अनेकों विशिष्ठ विश्व कीर्तिमान महेश योगी जी के नाम से दर्ज हैं।

अयोध्या श्री राम अस्पताल के मुख्य द्वार पर पाइप लाइन गड़बड़ी से जलभराव, मरीजों को हो रही परेशानी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या के श्री राम अस्पताल के मुख्य द्वार पर पाइपलाइन में गड़बड़ी के कारण आज जलभराव हो गया, जिससे अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी हो रही है। जलभराव के कारण अस्पताल में प्रवेश करने वाले लोग गंदे पानी के बीच से होकर गुजरने पर मजबूर हैं, जिससे उन्हें असुविधा हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पाइपलाइन में खराबी के चलते यह जलभराव हुआ है। इस समस्या को लेकर लोगों ने नगर निगम अयोध्या से तत्काल कार्रवाई की अपील की है। उनका कहना है कि यदि यह समस्या तुरंत हल नहीं की जाती तो आने वाले दिनों में यह और गंभीर हो सकती है। मरीजों और उनके परिजनों ने नगर निगम और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र समाधान की मांग की है, ताकि आने–जाने में किसी को कोई और परेशानी न हो और अस्पताल के बाहर की स्थिति सुधरे।

कमीशन 300रू प्रति कुंतल खाद्यान चीनी पर किये जाने के संबंध में धरना प्रदर्शन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। एसोशिएसन के बैनर तले दिनांक 20 सितम्बर 2023 को अलीगढ़ से कोटेदार जनजागरण रथ यात्रा प्रारम्भ होकर कासगंज, एटा, हाथरस, आगरा, इटावा, औरैया कन्नौज हरदोई शाहजहाँपुर सीतापुर, लखनऊ, आदि जनपदो से होते हुए कोटेदारो को सरकार की मंशा अनुरूप कार्ड धारको में खाद्यान्न उठान / वितरण करने हेतु कोटेदार एंव उपभोक्ता जनजागरण रथ यात्रा के माध्यम से 30 सितम्बर 2023 को इको गार्डन लखनऊ मे कोटेदार एंव उपभोक्ता जन जागरण सम्मेलन आयोजित किया गया था। उक्त सम्मेलन के समापन अवसर पर श्रीमान खाद्य आयुक्त महोदय को माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को सम्बोधित एक सुत्रीय मांग पत्र का ज्ञापन कमीशन 300 रू० प्रति कुन्तल किये जाने हेतु ज्ञापन दिया गया था। मंच से तत्कालीन अपर आयुक्त खाद्य

महोदय द्वारा सम्मेलन मे सम्बोधित करते हुए उपस्थित हजारो कोटेदारों को आश्वाशन दिया गया था। कि कमीशन बढोत्तरी का प्रस्ताव की पत्रावली विभाग द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी को प्रषित की जा चुकी है। लोकसभा चुनाव के उपरान्त कमीशन बढ़ा दिया जायेगा। परन्तु आजतक उत्तर प्रदेश के कोटेदारों की प्रस्तावित पत्रावली पर कोई विचार नही किया गया। जबकि उत्तर प्रदेश के कोटेदारों द्वारा कोरौना काल में अपनी जानमाल की प्रवाह किये बैगर प्रदेश के कार्डधारकों में समय से सत प्रतिशत खाद्यान का वितरण किया गया। जिसमें कई कोटेदारों की मृत्यु भी हो गई। कोटेदारों को शासन के द्वारा दिये गये आदेशों के कम में आयुष्मान कार्ड, बालपोषाहार, खाद्यान एंव आई० सी० डी० एस० आदि कार्यों में निशुल्क बढ़ चढ़कर कार्य किया जा रहा है। केवल निशुल्क मासिक खाद्यान वितरण पर 903 रू० कु० कमीशन दिया जा रहा है। डबल इंजन राज्य सरकारों जैसे उत्तराखण्ड 180 रू0 हरियाणा 200 रू0 केरल 200 रू0 गुजरात मिनिमम गारन्टी के अर्न्तगत 20000 रू0 कोटेदारो को दिया जा रहा है। अतः एशोसिएशन पुनः अनुरोध करती है कि उत्तर प्रदेश के कोटेदारो की लम्बित प्रमुख सचिव खाद्य एंव आयुक्त खाद्य रसद महोदय द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव की पत्रावली पर कमीशन बृद्धि का आदेश जनहित में पारित करने की कृपा करे। प्रदेश के 80000 कोटेदार परिवार आप के सदैव आभारी रहेगें।

सहारनपुर से सोनभद्र तक रथयात्रा निकलेगी निषाद पार्टी – डा. संजय निषाद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

मेरठ। राष्ट्रीय अध्यक्ष–निषाद पार्टी एवं कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डॉ संजय कुमार निषाद , जनपद मेरठ के दौरे के प्रवास पर रहे, श्री निषाद ने जिला पंचायत सभागार में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल "निषाद पार्टी" का राष्ट्रीय अधिवेशन, दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बुलाया गया था, किंतु दिल्ली सरकार के उच्च अधिकारियों ने मुझे बताया कि मा० उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशानुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण और AQI के सबसे खघ्राब स्तर पर पहुँचने के चलते दिल्ली में बाहरी राज्यो के साधन– संसाधन को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है और ऐसी स्थिति में दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुरोध पर राष्ट्रीय अधिवेशन को स्थगित किया जा रहा है।

श्री निषाद जी ने बताया कि निषाद पार्टी आगामी 30 नवंबर 2024, से सहारनपुर से सोनभद्र तक रथ यात्रा निकालने जा रही है, इस यात्रा को निषाद /कश्यप /बाथम /तुरैहा/ केवट/ मल्लाह/ बिंद/कहार/धीवर/ रायकवार समेत अन्य शोषित वंचित जातियो के ग्राम समाज समाज से होते हुए निकलेगी।उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से निषाद पार्टी प्रदेश में मछुआ समाज समेत अन्य समाज की दशा–दिशा जानने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा की लखनऊ और दिल्ली में बैठकर हम कभी भी पहले से वंचित समाज की गति और प्रगति को जाँच नहीं सकते है, इससे पूर्व में मैंने मा० मुख्यमंत्री जी के आदेशानुसार प्रदेश की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर प्रदेश के ४५ जनपद का भ्रमण किया जा चुका है, किंतु आगामी राजनीतिक यात्रा के माध्यम से निषाद पार्टी, निषाद समाज समेत अन्य समाज को भी जोड़ने का कार्य किया जाएगा और उनको भी केंद्र वि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाये। श्री निषाद जी ने बताया कि सहारनपुर के प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ शाकुम्भरी देवी स्थान से सोनभद्र तक तीन चरणों में निकली जाएगी, उन्होंने कहा कि ०६ मण्डल एक चरण में पूर्ण किए जाएँगे,साथ ही प्रदेश की 200 विधानसभा जोकि निषाद /कश्यप /बाथम /तुरैहा/ केवट/ मल्लाह/ बिंद/कहार/ धीवर/ रायकवार समेतअन्य १७ पिछड़ी उपजातियो से संबंधित है उनको इस यात्रा का मुख्य पड़ाव के तौर पर निर्धारित किया गया है। श्री निषाद जी ने बताया की प्रदेश की यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार की योजनाओं का भी प्रचार–प्रसार किया जाएगा साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा मछुआ समाज के हित में उठाये जा रहे कदमों को भी समाज के समक्ष रखने का कार्य किया जाएगा।

श्री निषाद जी ने संभल हिंसा पर पूछे गये प्रश्न पर कहा कि मा० न्यायालय के आदेशानुसार पुलिस व प्रशासन मस्जिद के सर्वे के लिए गया था किंतु समाजवादी पार्टी के गुंडों को प्रदेश में सुख–अमन–चौन और शांति पसंद नहीं है, जिसके चलते उन्होंने कोर्ट सर्वे पर सवाल उठाया और उनके सांसद व विधायक ने संभल की मासूम जानता को पुलिस प्रशासन के लिये उकसाने का काम किया, जिसका परिणाम संभल हिंसा है, प्रदेश सरकार मा० प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास की नीति पर काम करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संभल का माहौल बिगाड़ने वाले उपद्रवियों व पत्थरबाजों से प्रशासन सख्ती से निपटेगा और कानून अपना काम करेगा।

यूएसपी से बनती है कारपोरेट में अलग पहचान – प्रो. एच.के सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुरसिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एचआरडी विभाग में एक दिवसीय विशेष व्याख्यान काआयोजन बुधवार को हुआ। इसमें बीएचयू वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष एवंविभागाध्यक्ष प्रोफेसर एच. के सिंह ने कहा कि आज के कारपोरेट की आवश्यकताओं केअनुरूप खुद को तैयार करिए। डॉ.सिंह ने अमिताभ बच्चन का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके शुरुआती दिनों में उनको आल इंडिया रेडियो ने उनकी आवाज और उनकी लम्बाई केकारण अस्वीकार कर दिया था बाद में वही लम्बाई और आवाज उनकी सफलता की पहचान बनी। डॉ. सिंह ने बताया यूनिक सेलिंग प्रपोजिसन (यूएसपी)के आधार पर आप कारपोरेट की आवश्यकताओ केअनुरूप खुद को तैयार करिए।डॉ. सिंह कास्वागत विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने किया। संकायाध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी नेप्रबंधा अध्ययन संकाय के समस्त विभागों के बारे में प्रो.सिंह को बताया। पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. मानस पांडेय ने छात्रों को प्रबंध के सिद्धांतों के बारे में विस्तारसे बताया।

इसके पश्चात डॉ रसिकेश ने स्वागत उदबोधन दिया और एच आर डी विभाग कीप्रगति आख्या के बारे में बताया। संचालन डॉ अभिनव श्रीवास्तव ने किया। धन्यवादज्ञापन डॉ. रसिकेश ने किया। कार्यक्रम में डॉ.प्रमेंद्र विक्रम सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मानस पांडेय, डॉ. अभिनवश्रीवास्तव, डॉ. प्रवीणमिश्रा, डॉ.अनुपम कुमार ,डॉ. राजेश कुमार, शोध छात्रा उपासना जायसवाल, धीरज शर्मा , पद्मजा , शुभम कुमार सिंह आदि उपस्थित रहें।

इटली के लुकास और सबेस्टियन ने ताहिरपुर स्कूल की जानी हकीकत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एक्शन एड लखनऊ उत्तर प्रदेश के सहयोग से जनशक्ति परियोजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में बच्चों के साथ बालसभा का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक्शन एड के प्रतिनिधि व प्रमुख डोनर इटली के लुकास और सबेस्टियन द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा विद्यालय की हकीकत से रूबरू हुए और विद्यालय के लिए संस्था के माध्यम से हर तरह के सहयोग की बात कही। संस्था प्रतिनिधि लुकास ने इटली के बेसिक शिक्षा के बारे में बच्चों को बताया तथा उनको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद भी उनकी संस्था उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने और बच्चों के ड्राप आउट को कम करने के लिए कार्य कर रही है। खंड शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने बेसिक शिक्षा की कठिनाइयों को कैसे सुगम बनाया जा रहा है तथा परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को किस तरह से गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान किया जा रहा है इस पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला। और कहा कि एक्शन एड का यह कार्यक्रम समुदाय के बच्चों को जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है इससे एक तरफ जहाँ अभिभावक जुड़ रहे है वहीं दूसरी तरफ बच्चों में ड्रॉप आउट को रोका जा सकेगा। विद्यालय प्रधानाध्यापक अमित सिंह ने आये हुए आगंतुकों का स्वागत करते हुए उनके बेसिक शिक्षा में सहयोग करनेअभिभावकों को कल्याणकारी योजनाओं के बारे जानकारी प्रदान किये जाने पर एक्शन एड संस्था की सराहना की। इस दौरान बच्चों ने गीत संगीत डांस विभिन्न प्रकार के एक्टिविटी किया गया संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में एक्शन एड सीनियर रीजनल हेड महाजन जी द्वारा बताया गया कि जनशक्ति परियोजना विगत अगस्त 2023 से जनपद जौनपुर में 4 वर्ष से 8 वर्ष तक बच्चों का चयनित किया गया है जिसमें बच्चों को ग्रामीण स्तर पर उनके शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी के माध्यम से बच्चों को जोड़ा गया है मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों के अंदर होने वाले डर झिझक को दूर करना है। इस अवसर पर एक्शन एड की तरफ से बीनू सिंह जी, महाजन जी अरशद, इंद्रजीत, चांदनी व विद्यालय के शिक्षक दिनेश यादव मंजू जैसवार नेहा जायसवाल आराधना उपाध्याय गजाला बानो श्यामधर यादव मनोज कुमार माधुरी सिंह सहित कुछ अभिभावकों ने प्रतिभाग किया।

छात्र-छात्राओं को एक्सपोजन विजिट 29 नवम्बर को कराया जायेगा - सी0डी0ओ0

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने अवगत कराया है कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जनपद के 20 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों एवं 19 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के संर्वागीण विकास हेतु प्रथम चरण में एक्सपोजर विजिट के लिए चयन किया गया है और इन चयनित छात्र–छात्राओं को 29 नवम्बर 2024 को एक्सपोजर विजिट में उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत संचालित स्वयं सहायता समूह/टीएचआर की जानकारी हेतु भ्रमण कराया जायेगा। सीडीओ ने बताया है कि विकास खण्ड अहिरोरी एक्सपोजर विजिट में चयनित कम्पोजिट वि0 बघौली, उ0प्रा0वि0 कन्या कौढ़ा, उ0प्रा0वि0 दिवारी, कम्पोजिट वि0 अतरौली, उ0प्रा0वि0 कूड़ी, कम्पो0वि0 पसनेर, उ0प्रा0वि0 शाहपुर बिन्हौरा, ककरा, कलौली, अटवा भदसेन, न्यौली, अकबरपुर, इटारा, जामू, फरदापुर, बर्रियापुर तथा कम्पोजिट वि0 जजवासी, टडेर, उमरौली एवं हरदेवगंज के छात्र–छात्राओं की एक्सजोजन विजिट के दौरान उपायुक्त स्वतः रोजगार द्वारा नामित नोडल बीएमएम द्वारा समूहों एवं टीएचआर प्लांटों के बारे में जानकारी तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया जायेगा। विजिट कराने के सम्बन्ध में उपायुक्त स्वतः रोजगार तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को नामित किया गया है। उन्होने दोनों अधिकारियों को निर्देश दिये है कि बालिकाओं को सुव्यवस्थित तरीके से एक्सपोजर विजिट करायें तथा उनके जिज्ञासाओं का समाधान करें और इसके साथ ही विजिट सुव्यवस्थित ढ़ग से कराते हुए फोटो, वीडियो क्लिप एवं आख्या तथा बालिकाओं की बोलते हुए उनके एक्सपोजर विजिट का अनुभव व उपयोगिता की 10 से 15 सेकेण्ड की वीडियो क्लीप अनिवार्य रूप से शेयर की जाये।

पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्करो को किया गिरफ्तार पैर में लगी गोली अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा लगातार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। पशु तस्करो के पैर में लगातार गोली मारी जा रही है।जिसके क्रम में मंगलवार देर रात जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज मोड़ के पास में जफराबाद और लाइन बाजार थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने शातिर गो तस्कर को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है । मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैर में गोली लगी ।आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनके पास से तमन्चा, कारतूस और चोरी की मोटर साइकिल,12,200 नगद बरामद किया गया है। इस संबंध में बुधवार सुबह हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से दूरभाष पर बात करते हुए। थानाध्यक्षय जफराबाद जय प्रकाश यादव ने बताया कि हम अपने हमराहियों के साथ हौज के पास चेकिंग कर रहे थे। तभी लाइन बाजार थानाध्यक्षय सतीश सिंह से बातचीत के दौरान सूचना मिली कि भैस व बकरी चोरी करने वाला गिरोह मोटर साइकिल से क्षेत्र में घूम कर रेकी कर रहे है। किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। कई घटना को अंजाम दे चुके है। तभी जौनपुर की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखे मुखबिर ने बताया कि यही है। बैजबाद के पास लाइन बाजार पुलिस को घेराबंदी करने के लिए कहा गया है। बाइक सवार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वो भागने लगे पुलिस ने पीछा किया घेराबंदी के कारण अपने आप को फसता देख बदमाशो ने तमंचे से पुलिस पर फायरिंग करने लगे। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में किया गए जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशो के पैर में गोली लग गईं और दोनों वही पर गिर गए।जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायरिंग में साहिल पुत्र मुस्तकीम निवासी सरवरपुर थाना खेतासराय व मो दानिश पुत्र असलम निवासी भुड़कुड़हा थाना खेतासराय को गोली लगी। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ जिले के कई थानों में पशु क्रूरता और गौ हत्या निवारण आदि धाराओं के तहत पहले से ही 8 मामले दर्ज हैं।

संविधान के विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी एवं डिबेट्स आयोजित की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कुलाधिपतिः राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में इस वर्ष भी केजीएमयू में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण द्वारा विगत एक सप्ताह से संविधान के विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी एवं डिबेट्स आयोजित की गयीं।

आज संविधान दिवस दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को प्रातः 7:00 बजे से छात्र, कर्मचारी व शिक्षकों द्वारा हाथ में संविधान की उद्देशिका को लेकर संविधान जागरूकता रैली निकाली गयी, जो केजीएमयू के प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार व गांधी वार्ड से होते हुए पुनः प्राशासनिक भवन पहुंची। सभी के द्वारा संविधान की उद्देशिका को अंगीकृत व आत्मर्पित करने की शपथ ली गयी। दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक केजीएमयू के ब्राउन हाल में संविधान दिवस का मुख्य कार्यक्रम मा. कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सा अधीक्षक– डा. सुरेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक– डा. बी. के. ओझा, डा. सुरेश बाबू, पद्मश्री से सम्मानित डा. एस.एन. कुरील, प्रतिकुलपति– डा. अपजीत कौर एवं मा. कुलपति जी द्वारा संविधान पर अपने विचार रखे गए। इस अवसर पर सभी के द्वारा संविधान शपथ समारोह एवं 26 नवम्बर, 1949 में अंगीकृत भारतीय संविधान के लीथोग्राफिक प्रिंट की प्रतिलिपि कुलपति कार्यालय में स्थापित की गयी। सायं 4रू00 बजे संविधान के मूल तत्व पर छात्रों द्वारा वाद–विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न की गयी। मा. कुलपति जी ने सभी को मूल अधिकारों के मूल कर्तव्यों का निर्वहन करने का आवाह्न किया गया। इस अवसर पर डीन पैरामेडिकल, डीन डेंटल, डीन नर्सिंग, डा। पूरनचंद, प्रोफेसर राजेश वर्मा, डा. सुधांशु द्विवेदी, डा शालिनी त्रिपाठी व डा. निशा सिंह आदि सभी संकाय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

कार्य पालिका, विधायिका और न्यायपालिका को उनका कर्तव्य बोध संविधान ही कराता है – अजीत सिंह बब्बन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डा.भीमराव आंबेडकर के छाया चित्र व भारतीय संविधान पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा और लिखित संविधान हैं, जो नागरिक को संवैधानिक अधिकार के साथ ही उनके कर्तव्यों की व्याख्या कर उनको एक सशक्त नागरिक बनाता है। संविधान नागरिकों को मौलिक कर्तव्यों के माध्यम से उनके कर्तव्यों का बोध कराता है। देश में बनाए जाने वाले कानून का उद्देश्य भी आम जनता के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है। संविधान कानून की उत्पत्ति का स्रोत है । देश का शासन चलाने वाले कार्य पालिका, विधायिका और न्यायपालिका

को भी उनका कर्तव्य बोध संविधान ही कराता है। उन्होंने कहा कि नेट की उपलब्धता और डिजिटलीकरण से आज ज्ञान हर व्यक्ति तक आसानी से पहुंच गया है। इसका लाभ उठते हुए हम सभी भारतीय नागरिकों को संविधान का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि हमें कोई भ्रामक तथ्यों से बहका न सके। इससे हमें अपने संवैधानिक अधिकारों की जानकारी होगी और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझेंगे जब संविधान पढ़ेंगे। कहा कि देश चलाने के लिए संविधान को सबसे पवित्र ग्रंथ माना जाता है। मोदी और योगी नेतृत्व की भाजपा सरकार बाबा साहब आंबेडकर के पवित्र ग्रंथ के दिखाए रास्तों पर चलते हुए देश को एक सूत्र में बांधकर आगे बढ़ रही है। कहा कि कांग्रेस के शासनकाल के दौरान संविधानिक मूल्यों को दरकिनार करते हुए गांधी परिवार ने सत्ता में बने रहने का प्रयास किया। 1975 में लगाया गया आपातकाल देश के इतिहास का एक बदनुमा दाग है। कहा कि धारा 356 के तहत राष्ट्रपति शासन संवैधानिक अधिकारों के दायरे में आता है, लेकिन कांग्रेस ने इसका भी बेजा इस्तेमाल किया। कांग्रेस के शासनकाल में 124 बार राष्ट्रपति शासन लगाए गए हैं, इनमें से आठ बार जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री काल में लगाया गया तो इंदिरा गांधी के कार्यकाल में 50 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया. 1980 में केवल तीन दिनों के भीतर ही नौ राज्यों में बहुमत वाली सरकारों को बर्खास्त किया गया था। यह दिखाता है कि कांग्रेस ने लोकतंत्र को कुचलने के लिए बाबा साहब के बनाए संविधान की कैसी धज्जियां उड़ाई। उसी परिवार के सांसद राहुल गांधी अपने राजनैतिक वजूद को बचाने के लिए संविधान खतरे में है का झूठा प्रचार करते फिर रहे है। लेकिन इतिहास भुलाया नहीं जा सकता, जनता हकीकत जान गई। जिसका नतीजा चुनावों में आए जनमत ने दे दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष राम बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा आजाद भदौरिया जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी कार्यालय मंत्री अतुल सिंह सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया सत्यम शुक्ला मुकुल सिंह आशा गगन द्विवेदी अनुराग श्रीवास्तव आशुतोष आजाद मौजूद रहे।

छात्राओं को उनके अधिकार बताकर किया जागरूक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना बीकेटी क्षेत्र के आदर्श मोंटेसरी स्कूल में जाकर मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अंतर्गत आज दिनाँक 27/11/2024 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों और उन्हें उपलब्ध सेवाओं व साइबर फ्राड व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर महिला थाना द्वितीय में नियुक्त म0उ0नि0 अनु ,म0 उ0 नि0नेहा, म0का0 रूबी ,व अन्य कर्मचारीगण द्वारा स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना, सुरक्षा के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सेवाओं की जानकारी देना था। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं, जैसे कि 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और महिला पावर लाइन जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न सेवाओं को क्रियाशील किया गया है, जिनमें महिला हेल्पलाइन, स्मार्ट सिटी कैमरे, और फील्ड पुलिस पेट्रोलिंग जैसे उपाय शामिल हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें आत्मरक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तरीकों पर शिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देना है।

भारत का संविधान भारत के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समतावादी ढांचे को परिभाषित करने वाला आधाभूत दस्तावेज – श्री असीम अरूण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय संविधान केवल अधिकार ही नहीं प्रदान करता बल्कि कर्तव्यों के दायित्व का बोध भी कराता है। आज हम 75वां संविधान दिवस मना रहे हैं जो कि संविधान का अमृत काल है। आजादी के बाद हमारा संविधान लिखा गया इसमें विभिन्न प्रकार के परिवर्तन किये गए और जो स्वरूप हमें आज मिला है उसने हमें जीने की कला सिखाई है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान भारत के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समतावादी ढांचे को परिभाषित करने वाला आधाभूत दस्तावेज है। भारतीय संविधान अपने नागरिको के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करता है।

ये बातें समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरूण ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के फलस्वरूप संविधान को अंगीकृत किए जाने की तिथि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की विशिष्टताओं एवं उनमें वर्णित मौलिक कर्तव्यों की महत्ता के प्रति भागीदारी भवन स्थित छत्रपति साहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा ट्राइब्स इंडिया में कार्यरत समस्त अधिकारीध्कर्मचारी एवं संस्थान में पढ़ रहें छात्रों को जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहीं।

संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। साथ ही भारतीय संविधान की विशिष्टताओं एवं उनमें वर्णित मौलिक कर्तव्यों की महत्ता पर संस्थान के छात्रों द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में श्री अर्जुन ने प्रथम स्थान तथा सुश्री दीक्षा मौर्या ने दूसरा एवं सुश्री सदफ ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार निबंध प्रतियोगिता में श्री ईशू आनंद ने पहला श्री राजनारायण ने दूसरा एवं श्री अंकित यादव ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में स्थान अर्जित करने वाले छात्र–छात्राओं के साथ ही प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं को समाज कल्याण मंत्री ने पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने छात्रों से आगे भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त अधिकारी/कर्मचारी, छात्र– छात्राएं तथा संस्थान के निदेशक, श्री प्रकाश बिंदु उपस्थित रहे।

तपकर निखरी 'चांदनी' अंडर-19 टीम में बिखेरेंगी जलवा, पिता चलाते हैं नाई की दुकान

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बंगलाबाजार में एक छोटा सा सैलून चलाने वाले रामकुमार शर्मा की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। उनकी बेटी चांदनी भारत की अंडर–19 ए टीम के लिए चयनित हुई है। इस खुशी का इजहार करते हुए रामकुमार की आंखों में कुछ घटनाएं बिजली सी कौंध जाती हैं। वह मुस्कुराते हुए कहते हैं, एक दिन वो था जब मैंने बेटी को क्रिकेट खेलने से मना किया था। चांदनी को शुरू से क्रिकेट पसंद था। हाईस्कूल का आखिरी पेपर देने के बाद तो वह क्रिकेट में दाखिला दिलाने के लिए लड़ गई थी। खाना खाने से इन्कार कर दिया था। हमारे आश्वासन के बाद उसने खाना खाया। अगले दिन नॉर्दर्न रेलवे स्टेडियम में ट्रेनिंग शुरू कर दी। अमर उजाला से खास बातचीत में चांदनी ने कहा कि मुझे आज भी याद है जब पापा मेरे क्रिकेट खेलने के खिलाफ थे, तब बड़े भाई ने पापा से बात करके मुझे खेलने की परमिशन दिलाई। शुरुआत गली क्रिकेट में लड़कों के साथ खेलकर की। बाद में मेरा चयन नॉर्दर्न रेलवे स्टेडियम में हो गया। यहां प्रियंका शैली मैम के निर्देशन में खेलना शुरू किया। यजुवेंद्र चहल को अपना पसंदीदा खिलाड़ी बातते हुए चांदनी कहती हैं कि चहल की बात ही निराली है। उनको गेंदबाजी करते देखकर काफी कुछ सीखने को मिला। महिला क्रिकेट में पूनम यादव दीदी मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं। बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली चांदनी बेहतर प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। स्थानीय क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन प्रदेश की अंडर–19 क्रिकेट टीम में हो गया। पुणे में 3 से 10 दिसंबर तक होने वाली त्रिकोणीय प्रतियोगिता में इंडिया ए और इंडिया बी के अलावा दक्षिण अफ्रीका की टीम भाग लेगी। अगर चांदनी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहती है, तो उसका चयन अगले साल श्रीलंका में जनवरी माह में होने वाले अंडर–19 विश्वकप के लिए हो सकता है।

फिर घंटों रौंदती रही गाड़ियां, सड़क पर बिखरे लोथड, गठरी में बांधकर ले गई पुलिस

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सड़क पार कर रहे युवक को किसी भारी वाहन ने रौंद दिया। हादसे में उसके शरीर के टुकड़े–टुकड़े हो गए। पुलिस के पहुंचने तक कई वाहन शव के ऊपर से गुजर चुके थे। पुलिस ने शव के टुकड़ों को गठरी में भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। यह दर्दनाक हादसा सुलतानपुर हाईवे पर रविवार देर रात हुआ। गोसाईंगंज थाने से 400 मीटर की दूरी पर स्थित संकल्प पेट्रोल पंप के पास रात करीब 11.35 बजे डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ जा रहे 30 वर्षीय युवक को किसी तेज रफ्तार भारी वाहन ने रौंद दिया। हादसे में उसके कई टुकड़े हो गए। सूचना पर जब तक पुलिस पहुंचती, तब तक कई वाहन शव को रौंद चुके थे। पुलिस ने किसी तरह शव के टुकड़ों को सड़क से समेटा और गठरी में भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि शव की हालत अब ऐसी नहीं रह गई है कि उसकी पहचान हो सके। युवक की पेंट व शर्ट को सुरक्षित रखा है। यही शिनाख्त का एक मात्र जरिया है। फिलहाल 72 घंटे के लिए शव को पोस्टमार्टम हाउस पर रखा जाएगा। पहचान न होने पर पोस्टमार्टम के बाद पुलिस अंतिम संस्कार कर देगी। पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर सड़क की दूसरी ओर साइकिल लावारिस हालत में खड़ी मिली। साइकिल पर झोला टंगा था और कुछ बोतल रखी थी। आशंका है कि साइकिल हादसे का शिकार हुए युवक की है। इंस्पेक्टर ने बताया कि घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर पेट्रोल पंप है। पुलिस ने जब पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए ।

तेज तर्रार व अनुभवी महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने विभिन्न मामले मे दर्ज आरोपी को भेजा जेल

अयोध्या। एसएसपी राज करण नैय्यर के निर्देश पर जिले को अपराध मुक्त रखने के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों मे अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए सघन अभियान चलाकर आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है।इसी कड़ी में एसपी सिटी मधुवन कुमार सिंह व सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के निर्देश पर तेज तर्रार व अनुभवी महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने सोमवार को विभिन्न धाराओं मे आरोपित एक आरोपी को जेल भेजा। इस सबंधा मे सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह व महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने संयुक्त रुप से बताया कि धारा 376/506 आईपीसी महिला थाना से संबंधित अभियुक्त अंकुर वर्मा पुत्र रामसुंदर वर्मा निवासी जैतपुर खेमीपुर निधियावा थाना तारुन जनपद अयोध्या को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेजा। जिसमे महिला थाना मंजू देवी के अलावा महिला आरक्षी प्रेरणा त्रिपाठी,ज्योतिमा शाक्य व आरक्षी श्रीनाथ कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

जिला जज व जिलाधिकारी ने किया संप्रेक्षण गृह का संयुक्त निरीक्षण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिला जज श्री संजीव शुक्ला व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बाल संप्रेक्षण गृह का संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने बाल गृह में रहने वाले किशोरों से विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया। तत्पश्चात उन्होंने पुस्तकालय की व्यवस्थाओ को देखा। खेल के मैदान के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदान को और अधिक व्यवस्थित करने व किशोरों के लिए रचनात्मक गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। रसोई घर के निरीक्षण में उन्होंने वहाँ की व्यवस्थाएं देखी तथा मेन्यु के अनुसार किशोरों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय निगम व अधीक्षक संप्रेक्षण गृह सौरभ पाठक आदि उपस्थित रहे।

अयोध्या से जनकपुर के लिए निकली अवध के राजा राम की बारात,कलयुग में हुआ त्रेता युग का एहसास

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।भगवान श्री राम की बारात अयोध्या के जनकपुर के लिए रवाना हो गई।सैकड़ो की संख्या में बराती रामलला के बारात में शामिल हैं।जिसमें अयोध्या ही नहीं

बल्कि भारत के अलग–अलग हिस्सों से लोग अयोध्या पहुंचे।यहां गाजे–बाजे के साथ भगवान श्री सीताराम के स्वरुप भगवान श्री राम और माता सीता की प्रतिमा के साथ 51 तीर्थ स्थलों का पवित्र जल लेकर के राम बारात नेपाल जनकपुर के लिए रवाना हुई।राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भगवान राम के पिता दशरथ की भूमिका में नजर आए, तो प्रभु राम के बाराती भी गाजे–बाजे पर खूब थिरके। इस मौके पर पूरी अयोध्या नगरी त्रेता युग की तरह नजर आई। इसके साथ ही साथ श्रद्धालु भगवान के श्रद्धा से सराबोर भी दिखे।भगवान श्री राम की बारात अयोध्या से जनकपुर के लिए रवाना हुई है, जिसमें 14 दिन का मांगलिक कार्यक्रम होगा. भगवान की बारात आज अयोध्या से निकली है।जो 3 दिसंबर को विभिन्न मार्गो से होते हुए जनकपुर पहुंचेगी।जनकपुर तक भगवान श्री सीताराम के विवाह की बारात का जगह–जगह स्वागत होगा।विवाह पूर्व धार्मिक अनुष्ठान 4 और 5 दिसंबर को किए जाएंगे. विवाह पंचमी 6 दिसंबर को है. भगवान श्री सीताराम जी का विवाह जनकपुर में होगा।जहां 18 बीघा में भगवान श्री सीताराम के विवाह की तैयारी का पंडाल लगाया गया है।14 दिन तक धार्मिक अनुष्ठान होगा. विवाह के उपरांत भगवान श्री राम का कलेवा होगा और 8 दिसंबर को बारात अयोध्या के लिए रवाना की जाएगी।

कलयुग में त्रेता का नजारा भगवान श्री राम के विवाह में देखने को मिल रहा है. ऐसा उत्साह लग रहा है कि कलयुग में भी इस तरह की बारात नहीं निकाली होगी। जगह–जगह लोग नाचते हुए झूम रहे हैं. भगवान के भजन गा रहे हैं।ऐसे में सीता–राम के विवाह का विवाह पंचमी को सीता–राम का विवाह होता है।त्रेता युग की परिकल्पना आज भी साकार होती है।भारत और नेपाल के सांस्कृतिक रिश्तों में मजबूती आएगी, तो एक बार फिर लोग भगवान राम और मां सीता के विवाह में शामिल होकर खुद को सौभाग्यशाली समझ रहे हैं।भगवान राम लाल के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद यह पहला मौका है. जब भगवान के विवाह का यह उत्साह देखने को मिल रहा है।

अयोध्या से जनकपुर के लिए निकली बरात... बरातियों में उत्साह, देशभर से पहुंचे श्रद्धालु

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के अयोध्या से जनकपुर जाने के लिए भव्य राम बरात निकल गई है। रामसेवक पुरम में राम बरात का उत्साह झलक रहा है। इससे पहले बराती रामसेवक पुरम में पहुंचे। बरात के लिए रथ सजाया गया। बरातियों ने उत्साह में जमकर नृत्य किया। बरात आयोध्या से जनकरपुर के लिए प्रस्थान कर गई। कारसेवक पुरम में चल रहे महायज्ञ की परिक्रमा कर आगे बढ़ेगी। लता चौक होते हुए जनकपुर के लिए प्रस्थान किया। बरात में 200 से अधिक साधु संत व बराती शामिल है। हर कोई राम बरात में शामिल होने के लिए उत्साहित है। लोग छुट्टी लेकर राम बरात का साक्षी बनने के लिए अयोध्या पहुंचे हैं। भगवान के स्वरूप भी राम बरात में निकले है। अयोध्या निवासी नूर आलम भी राम बरात में शामिल हो रहें हैं। राम बरात में शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, बारात के संयोजक राजेंद्र सिंह पंकज, विहिप के शरद शर्मा बरात को रवाना करने की तैयारी में जुटे हुए हैं। बरात तीन दिसंबर को जनकपुर पहुंचेगी।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

कौशांबी। संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर महिला सशक्तिकरण संघष भारत द्वारा भदंत चन्द्र कित्ती की अध्यक्षता में कौशांबी (उ .प्र.) के म्यांमार बुद्ध विहार के धम्मा हाल में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत के विभिन्न प्रांतो को थाईलैंड , वियतनाम,लंदन, श्रीलंका आदि आदेशों से अनेक बौद्ध उपासक सम्मिलित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित पूर्व राज्य मंत्री राजारमन राजा अपने विचार बुद्ध के धर्म के स्तंभ करुणा और मैत्री।

विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने के सन्दर्भ में डीएम ने लिया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने के सन्दर्भ में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में जनपदों मे स्थित विद्युत उत्पादन स्टेशनों, पावर सब स्टेशन, विद्युत वितरण सब स्टेशनों तथा समस्त विद्युत प्रणाली के सुचारू संचालन और सुरक्षा, अति संवेदनशील स्थानों जैसे अस्पतालों, न्यायालय आदि में विद्युत सुचारू विद्युत व्यवस्था बनाए रखने हेतु कार्ययोजना तैयार करने, कर्मचारी संगठनों से समन्वय कर विद्युत व्यवस्था बनाए रखने के सम्बन्ध में बैठक करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि कर्मचारी हितो का सरकार पूरा संरक्षण कर रही है तथा उनके हित में कार्य कर रही है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, समस्त उप जिलाधिकारीगण और विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

27 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की रिक्त पदों पर आनलाइन आवेदन प्रकिया 26 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभिन्न खेलों– एथलेटिक्स, तीरन्दाजी, नेटबाल, टेबुल–टेनिस, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, बैडमिन्टन, ताइक्वाण्डो, वुशू, तैराकी, लॉन टेनिस, बास्केटबाल, वॉलीबाल, भारोत्तोलन, हॉकी, जूडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, खो–खो, कबड्डी, स्क्वैश, शूटिंग, कुश्ती, साफ्ट टेनिस, क्याकिंग एण्ड केनोइंग, रोइंग, कराटे खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के 107 रिक्तों पदों को जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म के माध्यम से भरकर चयन सम्बन्धी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त 27 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों हेतु आवेदन करने की तिथि बढ़ायी गयी है। आवेदन करने के लिए रिक्तियां पोर्टल पर 26 नवम्बर से प्रदर्शित हो रही है तथा पोर्टल पर आवेदन करने की अन्तिम तिथि 2 दिसम्बर है। पात्र अभ्यर्थी जो उक्त पदों पर कार्य करने के इच्छुक हैं वे अविलम्ब अपना आवेदन आनलाइन पोर्टल पर भर लें ताकि चयन प्रक्रिया के दौरान उनको सम्बन्धित फर्म द्वारा निर्धारित तिथि पर बुलाया जा सके। उक्त आशय की जानकारी बुधवार को जिला कीड़ा अधिकारी डॉ अतुल कुमार सिन्हा ने दी।

संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश का रविंद्रालय में हुआ महाअधिवेशन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। सेवानिवृत्त लोगों ने जीवन का अमूल्य समय प्रदेश की सेवा में बिताया। पूरी ऊर्जा के साथ देश को आगे बढ़ाने में योगदान दिया, क्योंकि सरकार के निर्णय आपके माध्यम से ही धरातल पर आते रहे हैं। ऐसे बुजुर्गों के लिए जो भी कर सकता हूं, तुरंत करूंगा। उक्त बातें संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के महाधिवेशन में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहीं। साथ ही सवाल भी उठाया कि सेवानिवृत्त होने वालों ने पेंशन की कटौती को बेचा, वह प्रक्रिया पूरी हो गई तो पैसा क्यों नहीं दिया जा रहा है? कहा, इस संबंध में वित्त मंत्री से बात करेंगे। बुजुर्गों का पैसा कोई नहीं ले सकता, उन्हें तो धन बढ़ाकर देना चाहिए। आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्र ने कहा, पेंशन की आधी लड़ाई जीत चुके हैं। कुछ खामियां हैं वह भी जल्द दूर करने को प्रयासरत हैं। केंद्र सरकार के कदम से चंदा व धंधा चलाने वाले जरूर परेशान हैं। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरि किशोर तिवारी ने कहा, कर्मचारी व सेवानिवृत्त कर्मी सरकार के साथ हैं।

कप्तान सिंह प्रमुख महासचिव विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश कप्तान सिंह ने मुख्यमंत्री से की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी से अपील किया कि ऊर्जा सेक्टर को निजी हाथों में सौंपने के पूर्व १४जनवरी २०००को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद को तीन भागों में विभाजित कर कम्पनीकरण के बाद उर्जा सेक्टर को निजी हाथों में सौंपने के पूर्व बीते २५वर्षो के हानि लाभ की स्थिति का पूर्ण समीक्षा करें क्योंकि इन २५वर्षो में उर्जा क्षेत्र घाटे का सभी रिकॉर्ड तोड दिया है साथ ही साथ यह भी निबेदन किया कि २६ जनवरी २०००को उत्तर प्रदेश सरकार,शासन द्वारा पेंशनरों एवं कार्यरत अधिकारियों के हितों को किसी भी दशा में कमतर न किये जाने की एक बार पुनः गारंटी दिये जाने की आवश्यकता है क्योंकि निजी क्षेत्र प्रद्त गारन्टियो का धत्ता दिखाने में आगे है, उदाहरण के तौर पर आगरा टोरेंट २०१०से पेन्शनर्स एवं कार्यरत कार्मिकों के द्वारा आफ लाइन में जमा विद्युत बिल का आफ लाइन के विद्युत बिल में न करते हुए करोड़ों की देनदारी सरचार्ज लगा कर विद्युत बिल प्रदान किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश अध्यक्ष बी बी गोयल एवं प्रमुख महासचिव कप्तान सिंह ने मुख्यमंत्री जी से मांग किया शासकीय पेन्शनर्स की तरह महंगाई राहत एवं अन्य शासनादेश पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद के पेन्शनरों पर सीधे कोषागार से लागु कराया जाय तथा कैसलेस चिकित्सा की सुविधा प्रदान किया जाय जिससे आने वाले समय में होने वाली किसी प्रकार की कठिनाईयों से पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद के पेंशनरों को बचाया जा सके।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।